EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
एक भारत श्रेष्ठ भारत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

भाषा संगम
Bhasha Sangam
Kashmiri
Volume 08

STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.

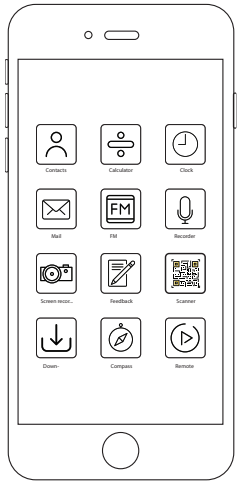

Install QR Code Scanner app from Play Store and open

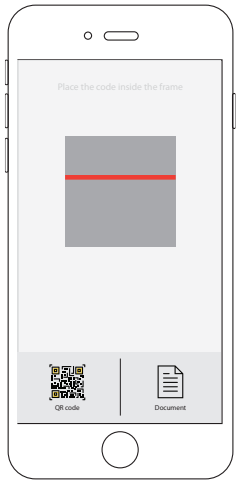

Get ready with QR code scanning window

Place scanner above the QR code

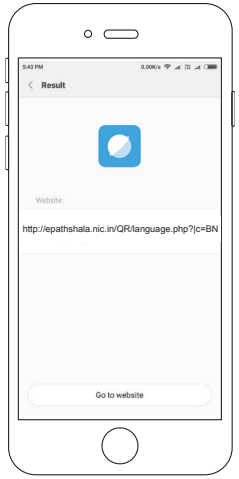

Select and click on the link

Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc.
2. Go to the ePathshala website (http://epathshala.gov.in) and click on ***Ek Bharat Shreshtha Bharat*** Menu
3. Select the language and access the audio and video

भाषा संगम
Bhasha Sangam

BS02KS

Kashmiri

Volume 08

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा — स्वच्छ भारत — कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam.*

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखेने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।

Sridhar Srivastava

Sridhar Srivastava
Director
National Council of Educational Research and Training
New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत
भाषा संगम

आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी–थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की ख़ूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए **"एक भारत, श्रेष्ठ भारत"** के अंतर्गत **'भाषा संगम'** कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। **'भाषा संगम'** हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरूआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को ज़रूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद ज़रूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में ज़रूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के ज़रिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए ज़रूरी है कि स्कूल में सभी अपनी ज़िम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की ज़िम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी– कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाज़ों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मज़ा लें। इस मज़े में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की ज़रूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की ज़रूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओँ में सामग्री मिल सकती है:
  - राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
  - राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
  - जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
  - सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
  - चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
  - नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मज़ाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस ख्याल को ज़हन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओँ के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह ज़रूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

- हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओँ के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में हैं। दूसरा, रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर ज़ोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat
Bhaashaa Sangam

We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bhaarat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiare students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster lingustic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of *Bhaashaa Sangam*

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam,* students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii**. In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourge them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
  - National Council of Educational Research and Training
  - State Council of Educational Research and Training
  - District Institutes for Education and Training
  - Centre for Cultural Resources and Training
  - Children Film Society
  - National Book Trust
  - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
گوڈ نیک دوہہ (زان پچھان)	**गोडन्युक-दोह (ज़ान-पहचान)**	**पहला दिन (परिचय)**	**Godnyuk-doh (Zaan-Pehchan)**	**First day (Introduction/ Familiarisation)**
ژے کیا چھُے ناو؟	च्ये क्याह छुय नाव?	आपका क्या नाम है?	Chye kyah chhuya naav?	What is your name?
مے چھُ ناو نیل گارو۔	म्ये छु नाव नीलगारु।	मेरा नाम नीलगारु है।	Mya chhu naav Neelgaru	My name is Neelgaru.
ژکژِمہ چھکھ /چھُکھ پران؟	च़ कच़िमि छख़/ छुख़ परान?	आप किस कक्षा में पढ़ते हो?	Cha katchimi chakh/ chukh paraan?	Which class do you study in?
بہ چھس/ چھُس شیمہِ پران؟	ब छस/छुस शेयमि परान।	मैं कक्षा छह में पढ़ती हूँ।	Ba chhas/chhus Sheymi paraan	I study in Class VI.
ژے کیا چھُے مالس تہ ماجہِ ناو؟	च्ये क्याह छुय मॅलिस त मॉजि नाव?	आपके माता-पिता का क्या नाम है?	Chye kyah chhuya Malis ta maaji naav?	What are the names of your parents?
میانہِ ماجہِ چھُ آرتی ناوتہ مالس سُنیل۔	म्यानि मॉजि छु नाव आरती तअ मॅलिस सुनील।	मेरी माँ का नाम आरती और पिता का नाम सुनील है।	Myani maaji chhu Aarti naav ta malis Sunil.	My father's name is Mrs. Aarti and my father's name is Sunil.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
ژِکتہ چھکھ /چھُکھ روزان؟	च़ कति छख़/ छुख़ रोज़ान?	आप कहाँ रहते हो?	Cha kati chakh/ chhukh rozaan?	Where do you live?
بہ چھُس/ چھس ویشالی منز روزان۔	बअ छस/ छुस वैशाली मंज़ रोज़ान।	मैं वैशाली में रहता हूँ।	Ba chhas/ chhus Vaishali manz rozaan.	I live in Vaishali.
دویمہِ تہ تریمہِ دوہہِ (پُرن لیکھُن)	**दोयुम तअ त्रयुम दोह (परुन-लेखुन)**	**दूसरा और तीसरा दिन (मेरा विद्यालय)**	**Doyum ta trayum doh (Parun-Lekhun)**	**Second & third day (My School)**
چانِس سوکولس کیا چھُ ناو؟	चॉनिस स्कूलस क्याह छु नाव?	आपके स्कूल का क्या नाम है?	Chanis schoolas kyah chhu nav?	What is the name of your school?
میا نِس سو کولس چھُ ناو ڈی پی ایس اندراپُرم۔	म्येनिस स्कूलस छु नाव डी.पी. एस. इन्द्रापुरम ।	मेरे स्कूल का नाम डी.पी.एस. इन्द्रापुरम है।	Myanis skoolas chhu naav DPS Indrapuram.	The name of my school is DPS Indrapuram.
چانِہ کلاسُک ووستاد کیا چھُے ژے پرناوان؟	चानि कलासुक वोस्ताद क्याह छुय च़्ये परनावान?	आपके कक्षा-अध्यापक कौन-सा विषय पढ़ाते हैं?	Chyani classuk vostad kyah chhuy chya parnavaan?	What subject does your class teacher teach?
میون ووستاد چھُ مے کأشُر پرناوان۔	म्योन वोस्ताद छु म्ये कोशुर परनावान।	मेरे कक्षा-अध्यापक कश्मीरी भाषा पढ़ाते हैं।	Myon vostad chu mye koshur parnavaan.	Our class teacher teaches Kashmiri language.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
ژے کس مضمون چُھے زیاد پسند؟	च्ये कुस मज़मून छुय ज्याद पसंद?	आपकी किस विषय में अधिक रुचि है?	Chya kus mazmoon chhuy zyada pasand?	Which subject interests you the most?
مے چھِ زبانہِ پر نہِ خوش کران؟	म्ये छि ज़बान परनि ख़ोश करान।	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	Meya chhi zabaana parni khosh karan.	I like learning languages.
ژے کیا زِچھے زبانہِ پر نہِ خوش کران؟	च़्ये क्याज़ि छय ज़बान परनि ख़ोश करान?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	Chya kyazi chhaya zabana parni khosh karaan?	Why do you like learning languages?
تِکیا زِیمن منز چھِ نظمہ، دلیلہ تہ ڈرامہ آسان۔	तिक्याज़ि यिमन मंज़ छि नज़्म, दलील त ड्रामा असान।	इसमें कविताएँ होती हैं, इसमें कहानियाँ होती हैं, इसमें नाटक होते हैं।	Tikyazi yiman manza chhi nazma, dalila, ta drama aasaan.	I like learning languages because they have poetry, stories and drama.
آ، ناٹک ہیکو اَسی گندتھ تہِ۔	आ, नाटुक ह्यकव ॲस्य गिंदिथ ति।	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	Aa, natuk, hyakav aesy gindith ti.	Yes, we can play dramas.
ژ کوسہ کوسہ زبان ہیکھ بولِتھ؟	च़ कोस-कोस ज़बान हयक्ख बूलिथ?	आप कौन-कौन सी भाषायें बोल सकते हैं?	Cha kos kos zabaan hykakh boolith?	Which are the languages you can speak?

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
بہ ہیکہِ کاشُر، انگریزی ، خاسی تہ نِکوباری بولتھ۔	ब ह्यक कोशुर, अंग्रेजी, खासी तअ निकोबारी बूलिथ।	मैं कश्मीरी, अंग्रेजी, खासी और निकोबारी बोल सकती/सकता हूँ।	Ba hyaka koshur, Angrizi, Khasi ta Nikobari boolith.	I can speak Kashmiri, English, Khasi and Nikobari.
ژورِم دوہہ (میون مول تہ مَاج)	**च़ूर्युम-दोह (गरिच़ि ज़िम्मॅवॉरिय म्योन मोल-माज्य)**	**चौथा दिन (मेरे माता-पिता)**	**Churyum doh (Garichi zimmvariya ta kaami)**	**Fourth day (My Parents)**
تُہندِس گرس منز کس چُھ بتہ رنان؟	तुहिन्दि गरस मंज़ कुस छु बत्त रनान?	आपके घर में खाना कौन बनाता है?	Tuhindis gharas manz kus chhu batta ranaan?	Who cooks food in your house?
مَاج تہِ مول ، دوشوے چھِ رنُن پاکون زانان۔	मॉज त मोल, दोशवय छि रनुन-पाकवुन ज़ानान।	माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	Maej ta mol doshvay chhi ranun pakvun zaanaan.	Both my father and mother cook food in our house.
ژے کس چُھے سو کول تراوان؟	च़्ये कुस छुय स्कूल त्रावन?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	Chya kus chhuy school travan.	Who drops you at school?

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
مے چھِ کُنہ ساتہ مأج تہ کُنہ ساتہ مول سو کول تراوان۔	म्ये छि कुनि सातअ मॉज तॅ कुनि सातॅ मोल स्कूल त्रावान।	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ कभी पिताजी आते हैं।	Mya chhi kuni sata maej ta kuni saata moal school travaan.	Sometimes my father or sometimes my mother drop me at school.
پی۔ٹی ایمس منز شرکتھ کرنِہ کس چُھ یِوان؟	पी.टी.एमस मंज़ शिरकत करनि (माश्टरस मेलनि) कुस छु यिवान?	अभिभावक-शिक्षक (पैरंट-टीचर) मीटिंग में कौन आता है?	P.T.Mes manz shirkat karni kus chu yivaan?	Who comes to attend parent-teacher meeting?
امہ با پتھ کُنہ ساتہ مأج تہ کُنہ ساتہ مول۔	अमि बापथ कुनि सात मॉज तअ कुनि सात मोल।	कभी-कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	Ami bapath Kuni saata maeij ta kuni saata moal.	Sometimes my father and sometimes my mother come to the PTM.
پنزِیم دوہہ (کھیون چون)	**पॅनच्यिय-दोह (ख्योन-चोन)**	**पाचवाँ दिन (खान-पान)**	**Panchyum doh (Khyon-chyon)**	**Fifth day (Food)**
ژے کیا کھین چُھے پسند؟	च्ये क्याह ख्येन छुय पसंद?	आपको खाने में क्या पसंद है?	Chya kyah khyan chuy pasand?	What do you like to eat mostly?
مے چھِ کھیژر خوش کران۔	मये छि ख्यच़ॅर ख़ोश करान।	मुझे खिचड़ी खाना पसंद है।	mya chhi khyachar khosh karan.	I like to eat khichdi

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
تُنہدس علاقس منز کس میو چھُ زیاد ڈسی یاب؟	तुहन्दिस अलाकस मंज कुस मयव छु ज्यादअ दासयाब?	आपके इलाक़े में कौन सा फल ज़्यादा मिलता है?	Tunhdis alakas manz kus myava chhu zyada dasyab?	Which fruit is plentily available in your area?
سانِس علاقس منز چھِ ٹنگ تہٕ ژو نٹھی زیاد ڈسی یاب مگر مے چھِ چیری زیاد پسند۔	सॉनिस अलाकस मंज़ छि, टंग त चून्ठय ज्याद दास्तियाब मगर म्ये छि चेरी ज्याद पसंद।	हमारे यहाँ नाशपाती और सेब ज़्यादा मिलते हैं, लेकिन मुझे चेरी पसंद है।	Saanis alakas manz chhi, tang ta choonth zyada dastiyab magar mya chhi cherry zyada pasand.	Pears and Apples are available in my area, but I like Cherry the most.
شیم دوہہ (صحت)	**शेयुम-दोह (सेहथ)**	**छठा दिन (सेहत)**	**Sheyum-doh (Sehath)**	**Sixth day (Health)**
ژکربأ گی چھکھ / چُھکھ نیند رِ ووتھان؟	चअ कर बाअय छक/छुक सुबहस नेन्द्रि बोथान?	आप सुबह कब जागते हैं?	Cha karbaie chakh/ chukh subas nendri vathaan?	What time do you wake up in the morning?
بہ چھس /چُھس صبحس شیہِ بجہ نیندرِ ووتھان۔	बअ छस/छुस सुबहस शेयि बजि नेन्द्रि वोथान।	मैं सुबह छ: बजे उठती/उठता हूँ।	Ba chhas/chhus subahas sheyi baji Nendri vothan.	I wake up at six O'clock in the morning.
ژِ چھکھ / چُھکھ دوہے کسرت کران؟	च छ़ख/छ़ुख दोहय कसरत करान?	क्या आप प्रतिदिन कसरत करते हैं?	Cha chakha/chukha dohay kasasrat karan?	Do you do exercise every day?

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
آ، بہ چھس / چُھس یوگا کران؟	आ, बअ छस/ छुस योगा करान।	हाँ! मैं योग करती/करता हूँ।	Aa, ba chhas/ chhus yog karan	Yes, I practice yoga.
تُنہدِس سو کولس منز چھاکانہہ یوگا ہیچھ ناون وول ووستاد؟	तुहन्दिस स्कूलस मंज छा कांह योगा ह्येछॅनावन वोल वोस्ताकद।	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक/शिक्षिका हैं?	Tuhandis schools manz chha kanh yoga hechnavan vol vostad.	Is there a yoga teacher in your school?
آ، سانِس سوکولس منز چُھ یوگا ہیچھناون وول ووستاد۔	आ, सॉनिस स्कूलस मंज छु योगा ह्येछॅनावान वाल्यन वोस्ताकद ति।	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	Aa, sanis schools manz chu yoga hechnavan valey vostad ti.	Yes, we have a yoga teacher in our school.
سُو/ سو چھ اسہِ یوگا تہ باقے کسر تہ ہیچھ ناوان۔	सु/स्वॅ छि असि योगा त बाकय कसरतॅ ह्येछॅनावान	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती/सिखाते हैं।	Su/sou chhi aasi yog ta bakaie kasrata hechnavaan.	She/He teaches us yoga and other excercises.
ستم دوہہ (گندن)	**स्अत्युम-दोह (गिन्दुन)**	**सातवाँ दिन (खेल-कूद)**	**Satyum-doh (Gindun)**	**Seventh day (Games and Sports)**
ژے چھُیا گندن خوش کران؟	च्ये छुया गिन्दुनन खोश करान?	आपको खेलना पसंद है?	Chya chhuya gindun khosh karaan?	Do you like to play?

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
آ، ے چھُ فٹ بال گندُن خوش کران۔	आ, म्ये छु फुटबालि गिन्दुन खोश कराान।	हाँ, मुझे फुटॅबाल खेलना पसंद है।	Aa, mya chhu football gindun khosh karaan.	Yes. I like to play football.
ے چھِ اِنڈور گیم پسند، ژے تہ چھیا؟	म्ये छि इनडोर गेम पसंद च्येति छया?	मुझे इनडोर गेम पसंद है, और आपको?	Myea chhi indoor game pasand, cheyti chaya?	I like indoor games. What about you?
آ، بہ تہِ چھس / چھُس ٹیبل ٹینس گندان۔	आ, बअति छस/छुस टेबल टेनिस गिन्दान।	मुझे भी। मैं टेबल-टेनिस खेलता/खेलती हूँ।	Aa, batya chas/chhus table-tennis gindaan.	I too. I play table tennis.
کیاویڈیو گیم تہِ چھکھا/ چھُکھا گندان؟	क्या विडियो गेम ति छखा/ छुखा गिन्दाहन?	आप वीडियो गेम खेलते हैं?	Kya video game ti chhakha/chukha gindaan?	Do you play video games?
نہ ے چھے نہ ویڈیو گیم پسند۔ ے چھُ گری نیر کبڈی گندن خوش کران۔	नअ, म्ये छनअ विडियो गेम पसंद मे छि गरअ न्येबर कबड्डी गिन्दुन्य खोश कराान।	नहीं, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है, जैसे कबड्डी।	Na, mye chhanna video game pasand. Mey chi ghara neybar kabaddi gindien kosh karan.	No, I don't like video games. I like to play outdoor games, like Kabaddi.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
اِٹھم، نوم تہ دہم دوہہ (سون اوند پوک)	**अठयुम, नअव्युम तअ दअह्युम दोह मंजर तअ माहोल**	**आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास**	**Aathyum, Naveyum ta dahyum doh Manzar ta maahoal**	**Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings**
تہندس علاقس منز کس دری یاو چُھ؟	तुहंदिस अलाकस मन्ज़ु कुस दरियाव छु?	आपके क्षेत्र में कौन-सी नदी बहती है?	Tuhandi alakas manz kus dariyav chu ?	Which river flows in your area?
سانس علاقس منز چھُ جہلم دریاو وسان۔	सानिस अलाकस मंज़ छु जेहलम दरियाव वसान।	हमारे क्षेत्र में जेलम नदी बहती है।	Sanis alakas manz chu dariyav jhelam vasaan.	River Jhelum flows in our area.
امہِ کین بٹھین پیٹھ چُھ سبزار۔	अमिक्येन बठयेन प्येठ छु सबज़ार।	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	Amikyan batheyn pyath chhu sabzar.	There are many gardens on the banks of it.
اَسی چھ امہِ کین بٹھین پیٹھ چکر کران؟	अॅस्य छि अमिक्येन बठयेन प्येठ चक्कर करान।	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	Asya chhi amikyan batheyan pyeth chakkar karan.	We go there for a stroll.
چہل قدمی کرنہ کوت چھوگژھان؟	चहलक़दमी करनि कोत छिव गछ़ान?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	Chahalkadmi karni kot chhiva gachhaan?	Where do you go for a stroll?

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
چہل قدمی کرنہ چھِ اسی پارکہ منز گژھان۔	चहलक़दमी करनि छि अॅस्य पार्कि मंज़ गच्छान।	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	Chahalkadmi karni chi aesy parki manz gachhaan.	We go to the park for a stroll.
سانس شہرس اَندی پکھہ چُھ پہاڑ تہ۔	स्अॅनिस शाहरस अंदि-पॅखय छि पहाड़ ति।	हमारे शहर के आस-पास पहाड़ भी हैं।	Sanis shaharas andya pakh chhi pahad ti.	There are mountains around our town.
یہِ چھِ پھیر نہ تھورنہِ باپتھ اصل جاے۔	यि छि फैरनअ-थोरनअ बापथ असल जाय।	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	Yi chhi farina thorna bapath asal jaay	This is a nice place to move around.
تہندِس علاقس منز چھا کھاہ تہِ؟	तुहन्दिस अलाकस मन्ज़ छा खाह ति?	आपके इलाके में खेत हैं?	Tuhndis alakas manz chha khah ti?	Are there fields in your area?
آ، سانس علاقس منز چھ وا ریاہ کھاہ، مگر شہرِ نیبر۔	आ, सॉनिस अलाक़स मंज़ छि वारियाह खाह, मगर शहरअ न्येबर।	हाँ, हमारे इलाके में बहुत से खेत हैं, मगर शहर से बाहर है।	Aa, sanis alakas manz chhi vaariyah khah, magar shahra neybar.	Yes, there are many fields in our area, outside the city.
جنگل تہِ چھِ۔	जंगल ति छि।	वहाँ जंगल भी हैं।	jangal ti chi.	There is also a jungle there.
جنگلہِ منزی چھ اکھ کوُل پکان۔	जंगलअ मन्ज़य छि अख कव्अल पकान।	उस जंगल में एक झरना है।	jangala maenz chhi akh koaul pakan.	There is a stream in the jungle there.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
ژے چھیہ کوُل وچھمژ؟	च्ये छयअ कव्अल वुछॅमुच़।	आपने झरना देखा है?	Chya chaya koaul vuchhmutch?	Have you seen a stream?
نَہ، بہ چھس/ چُھس وُچھنی یژھان۔	न, बअ छस/ छुस वुछुन यच्छान।	नहीं, मैं देखना चाहूँगी/चाहूँगा।	Na, ba chas/chhus vuchhun yachchan.	No, but I would like to see one.
وولہ یہ سون گام بہ ہاوے ژے کوُل تِہ۔	वल यि सोन, गाम, बअ हावय च्ये कव्अल ति ।	हमारे गाँव आना, मैं आपको झरना दिखाउँगी/दिखाउँगा।	Vala yi soan kun, ba havay chye koaul ti.	Come to our village, I will show you the stream.
کھم دو ہہ (موسم)	**कअह्युम दोह मौसम**	**ग्यारहवाँ दिन मौसम**	**Kahyum-doh Mosam**	**Eleventh day Weather**
واے !از چُھ سیٹھاہ گرم۔ روداہ پیہہ ہے۔	वहय, अज़ छु स्यठाह गर्म। रूदाह पेयिहे।	उफ़! आज बहुत गर्मी हो रही है। अब बारिश होनी चाहिए।	Vahey aaz chhu sytah garm. rood peyihey.	Oh! It's too hot today. I wish it rains now.
تنہدس علاقس منز کیتھ موسم چُھ؟	तुहन्दिस अलाकस मंज़ क्युथ मौसम छु?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	Tuhndis alakas manz kyuth mausam chhu?	How is the weather (like) in your area?
تتہِ چُھ موسم عام طور ٹھیکھ یا گرم روزان۔	तति छु मौसम आमतौर ठीख या गरम रोज़ान।	वहाँ का मौसम ज्यादातर सामान्य या गरम रहता है।	Tati chhu mausam aamtoar theek ya garam rozan.	The weather here is moderate or hot generally?

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
ژے چھیہ ریگستان وچھمت؟	च्ये छुयि रेगिस्थान वुछमुत?	क्यो आपने रेगिस्ता न देखा है?	Chya chhuya reygisthan vachhmut?	Have you seen a desert?
نہ، مے چھُ نہ، ریگستان کبنہ تہِ وُچھمت۔	न, म्ये छुन रेगिस्थान केंहति वुछमुत।	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	Na, mya chhuna registhan kenhti vuchhmut.	No, I have not seen a desert.
تتہِ چھُ واریاہ گرم آسان۔	तति छु वारियाह गर्म आसान।	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	Tati chhu vaariyah garm aasan.	It's very hot there.
آ، مگر راتس چھُ سکھ یخ گژھان۔	आ, मगर रातस छि स्यख यख गछान।	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडी हो जाती है।	Aa, magar ratas chhi syekh yakh gachhan.	Yes, but the sand becomes cold at night.
بہ تہِ چھس / چھُس ریگستان وُچھُن یژھان۔	बॅति छस/छुस रेगिस्तान वुछुन यछान।	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहती/ चाहता हूँ।	Bati chas/chus registhan vuchhun yachhaan.	I would like to see the desert.
پُرس اَسس/ اوسُس ربتہ کالہِ چن چھُٹیین منز گرکین باژن ستی پہاڈن کنہ گامژ/ گومُت۔	परूस ऑसॅस/ओसुस बॅति रेतकालच्येन छुट्टियन मन्ज़ गरक्येन बॅच़न सॅत्य पहाड़न कुन गामॅच/गोमुत।	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों पर घूमने गयी/गया थी/था।	parus asas/osus bati retkalchan chhuttiyan manz pananyen garikyen bachan saety pahadan kaun gamouch/ gomut.	Last summer holidays I had visited mountains with my family.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
تتہِ چھُ وندس منز سبٹھاہ شین پیوان۔	तति छु वन्दस मन्ज़ स्यठाह शीन प्येवान।	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ़ गिरती है।	Tati chhu vandas manz seythah sheen pyavaan.	It snows a lot during winter.
بہِم ، تُر واہیم، ژوداہم تہِ پند اہم دوہ (بوڑ دوہ)	**बहिम, त्रुवोहिम, च़ोदोहिम त पन्दाहयुम दोह (बोड दोह)**	**बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन उत्सव-त्योहार**	**Bahim, Truvahum chodahum ta pandahum doh (Boad Doh)**	**Twelfth, Thirteenth, Forteenth and Fifteenth day Festivals**
چون پسندید بوڑ دوھ کس چھُ؟	चोन पंसदीद बोड़ दोह कुस छु?	आपका पसंदीदा त्यौहार कौन सा है?	Choun pasandeeda boad doah kus chhu?	What is your favorite festival?
میون پسندید بوڑ دوھ چھ عید۔	म्योन पंसदीद बोड़ दोह छु ईद।	मेरा पसंदीदा त्योहार ईद है।	Myon pasandeed boad doah chhu Eid.	My favorite festival is Eid.
عید چھِ مے تہِ پسند۔	ईद छि म्येति पसंद ।	ईद मुझे भी बहुत पसंद है।	Eid chi myati pasand.	I like Eid very much.
مگرے چھِ ہولی زیادہ پسند۔	मगर, म्ये छि हूल्य ज्याद पसंद।	लेकिन मुझे होली ज़्यादा पसंद है।	Magar, meya chhi hoaeil jyada pasand.	But I like Holi more.
ہولی منز چھِ اَسی رنگن گندان	होल्यि मंज छि अॅस्य रंगन गिन्दान ।	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	Holyi manz chhi aasy rangan gindan.	We play a lot with colours in Holi.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
اَسی چھِ بڈین دوہن پیٹھ واریاہ مودری چیز کھیوان۔	अॅस्य छि बडेन्य दोहन प्येठ वारियाह मोदुर्य चीज़ ख्येवान।	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	Aies chhi badeyan dohan pyeth vaariyaah modir cheez khyavaan.	We eat a lot of sweets during festivals.
عیز پیٹھ چھِ سیمنِ خاص طور بنا ونہِ یوان۔	ईज़ प्येठ छि सीमन्यि खासतौर बनावनअ यिवान।	जैसे, सेवइयाँ ईद का खास पकवान है।	Eiz paeth chi, semni khastaur banavna yivan.	Like sevaiyan is a special dish of Eid.
بڈین دوہن پیٹھ چھُ میلن منز پھیرُن تھوُرُن تہِ خوش کران۔	बडयेन दोहन प्येठ छु मॉलन मंज़ फेरुन-थोरुन ति खोश करान।	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	Badyan dohan pyath chhu maelan manz ferun-thorun ti kaush karan.	I like to roam around in fairs during festivals.
آ، مے تہِ چھُ پھیرُن تھوُرُن خوش کران۔	आ, म्येति छु फेरुन-थोरुन खोश करान।	हाँ मुझे भी घूमना पसंद है।	Aa, myati chhu ferun-thorun khosh karan.	Yes, I also like to move around.
تُہندس سو کولس منز کتھ پأٹھی چھُ یوم آزادی منا ونہِ یوان؟	तुहन्दिस स्कूलस मन्जन किथपॉठय छु योमि आजादी मनावन यिवान?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	Tuhandis schools manz kithapaieth chhu yomi azadi manaavana yivaan?	How is Independence Day celebrated in your school?

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
اَسی چھِ جھنڈہ پھَسراوان، قومی باتھ گیوان تہِ مِٹھائی تہِ کھیوان۔	असि छि झंडॅ फहरावान, कौमी बअथ गयवान त मिठाई ति ख्यफवान।	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	Asya chhi jhanda pahravan, kaumi baath gyavaan ta mithaie ti khyvaan.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.
یتھے پاٹھی چھ یومہِ جمہوریہ تہِ مناونہ یوان۔	यिथय पाठ्य छु यामि जम्हूरिया ति मनावन यिवान।	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	yithay paieth chhu yomi jamhuriya ti manaavaana yivan.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
دویمہِ او کتوبریانے مہاتما گاندھی سندِس زا دو ہس پیٹھ چھِ اَسی سوچھتادِوس مناوان۔	दोयमि अक्टूबर यानि महात्मा गांधी संदिस जा दोहस प्येठ छि ॲस्य स्विच्छिता-दिवस मनावान।	2 अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	Doyami octobar yani Mahatma Gandhi sandis za dohas pyeth chhi asy swatchchta divas manavan.	We observe Swachhta Diwas on the birth anniversary of Mahatma Gandhi on 2nd October.
ماجہِ زیوِ ہندہِ دوہ تہِ چھِ اِس اکو ہمہِ فروری پرتھ وَری یہِ مناوان۔	माजि ज्येवि होन्दा दोह ति छि अस्य 21 फरवरी कि प्रय वरियि मनावान।	हमारे स्कूल में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो हर वर्ष 21 फरवरी को होता है।	Maaji zyivi hond doh ti chi aasy 21 farvary prath varya manavaan.	Mother Tongue Day is also celebrated in our school on 21st February every year.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
شُراہم تہِ سد اہم دوہ (رِشتہ)	**शुरअह्युम तअ सदअह्युत दोह (रिश्त)**	**सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन (रिश्ते-नाते)**	**Shurahyum ta Sadahyum doh (Rishta)**	**Sixteenth & Seventeenth day (Relations)**
تُنہدِس گرس منز کس کس چھُ روزان؟	तुहन्दिस गरस मन्ज़ कुस कुस छु रोज़ान?	आपके घर में कौन-कौन रहते हैं?	Tuhndis garas manz kus kus chhu rozaan?	Who all are there at your home?
میانی ماج، مول، بڈی بب، نانی، پیتر، پیچنی تہ میانی بینہِ۔	म्वेन्य मॉज-मोल, नान्य, बुडिबब, पेतर-पेच्येन त म्वॉन्य बेनि।	मेरे घर में माँ-पिताजी, दादा-दादीजी, चाचा-चाची और मेरी बहन है।	Myein maaj-mol, nany budibad, pyatar-pechanya ta myein beni.	My mother, father, grandmother, grandfather, uncle, aunt and my sister are there in my home.
سبٹھاہ جان! کیا ژچھکھ / چھکہ زانہہ ماتامال گژھان؟	स्यठाह जान! क्याह चॅ छखॅ/ छुखॅ जाहं मातामाल गच्छान।	अच्छा तो क्या आप कभी अपने मामा के घर जाते हो?	Syatha jaan! Kyah Chha chakha/chukha matamal gachchan.	Good! Do you like to visit your maternal uncle's house?
آ، بہ چھس/ چُھس ماتامال چھٹی یِن دوران گژھان۔ مے چھُ تور گژھُن خوش کران۔	आ ब छस/छुस मातामाल छुटियन दौरान गच्छान। म्ये छु तोर गच्छुन खोश करान।	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाती/जाता हूँ। वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	Aa ba chas/chus matamal chutiyan doaran gachan. Mey chu toar gachhun kosh karan.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
میون مام، مامنی، ماس تہ نانی بڈی ہب چھِ تتہِ روزان۔	म्योन माम-मामॅन्य, मास तअ नान्य-बूडिबब छि तति रोज़ान।	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	Myon maam, maamnya, maas ta naanya-bduibab chhi tati rozaan.	My maternal uncle-aunt, mother's sister, and grandparents live there.
سانی نانی چھِ اسہِ واریاہ دَلیلہ تہ کتھ بوزناوان۔	सॉन्य नान्य छि असि वारियाह दलील त कथॅ बोज़नावान।	हमारी नानी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं।	Sanya naanya chhi asyi vaariyaah dalila ta katha boznaavaan.	Our grandmother tells us a lot of stories.
کیا ژتہ چُھکھ مامہ سُند گر گژھان؟	क्याह च़ॅति छुख मामसुन्द गर गछ़ान?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाते हो?	kyah chati chhukha maamsund gara gacchaan?	Do you also visit your maternal uncle's house?
آ، بہ چھس/چُھس مامہ سُند نتہِ پوپھِ ہند گر گژھان؟	आ, बअ छस/छुस मामसुन्द नत पोफिहोन्द गर गछ़ान।	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाती/जाता हूँ।	Aa, ba chhas/ chhus maamsund nata pofihond gara gacchaan.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house.
میانہِ پوپھِ ہندِ گرِچھُ اکھ ہون تہِ اکھ برار۔	म्यानि पोफि हेन्दि गॅरि छु अख हून त अख ब्रअर।	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	Myani pofi hendi gari chhu akh hoon ta akh braier.	My aunt has a dog and a cat in her house.
اسہِ چھِ گاوتہ وژھہ گرس منز۔	अस्यि छि गाव त वॅच्छ गरस मंज़।	मेरे घर में तो गाय और बछड़े हैं।	Asyi chhi gaava ta vachey garas manz.	I have cows and calves in my house.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
سانِس گامس منز چھِ ماشہِ تہِ ژھاول۔	सॉनिय गामस मंज़ छि मॅशि त छावॅल्य ।	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	Sanis gamas manz chhi maashi ta chhavaiel	There are Goats and buffaloes also in my village.
مے اوس گرس منز طوطہِ۔ اکہِ دوہہِ کورتمی وُڈَو۔ مے آومز۔	म्ये ओस गरस मंज़ तोत। अकि दोह कोर तॅम्य वुडव, म्ये आव मज़।	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	Mye oas garas manz tota. Aki doha koar taiem vodav, Mye aav maza	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.
ارد اَہم تہِ کنوہم دوہ (سفر)	**अरदह्युम तअ कुनवुह्युम दोह (सफ़र)**	**अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन (यात्रा)**	**Ardahyum ta kunvuhyum doh (safar)**	**Eighteenth and Nineteenth day (Travel)**
چھٹی ین منز کوت چھُے ژے گژھُن خوش کران؟	छुट्टियन मन्ज़ कोत छुय च़्ये गच्छुन खव्श करान?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करते हैं?	Chhuttiyan manz kot chhou chey gachhun kosh karan?	Where do you like to visit during the holidays?
مے چھُ ربتہِ کالہِ چن چھٹین منز پہاڈن کن گژھُن خوش کران۔	म्ये छु ऋत्यकालिच़ेन छुट्टियन मन्ज़ पहाड़न कुन गच्छुन खव्श करान।	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	Mye chu retkalcheyan chhuttiyan manz pahadan kun gachhun khosh karaan.	I like to visit mountains during summer holidays.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
یِمِہ لٹہ کوت گژھکھ ژچھٹین منز؟	येमि लटि कोत गछख च़ छुट्टियन मन्ज़?	इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाले हो?	Yimi lati kot gachakh cha chhuttiyan manz?	Where are you planning to visit in this vacation.
یِمن چھٹین منز گژھ بہ یاتہ سِکِم نتہ کشیر۔	यिमन छुट्टियन मन्ज़ गच्छ ब या त सिक्किम नत कॅशीरि।	मैं तो इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाली/वाला हूँ।	Yiman chhuttiyan manz gachcha ba ya ta Sikkim nata Kasheeri.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in the holidays.
بہ چھس/ چُھس وند چن چُھٹین منزیاتہ گوا نتہ انڈومان گژھُن یژھان۔	ब् छस/ छुस वन्दच्येन छुट्टियन मन्ज़ गोवा या अंडमान ग़च्छुन यच्छाकन।	मेरी इच्छा़ तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	Ba chhas/chhus vand-chan chhuttiyan manz gova ya andoman gachhun yachchari.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.
ہے! انڈومان ہے چُھ سمندرس منز، لُکھ کتھ پاَٹھی سنا تو رگژھان؟	हे! अंडमान है छु समन्दरस मन्ज़, लुख किथ पाठय सना तोर गच्छान?	अरे! अंडमान तो समुंद्र के अंदर है, लोग वहाँ कैसे जाते हैं?	Hay! Andaman hai chhu samandaras manz, lukh kitha paieth sana toar gachchan ?	Oh! Andaman is in Ocean, how do people go there?

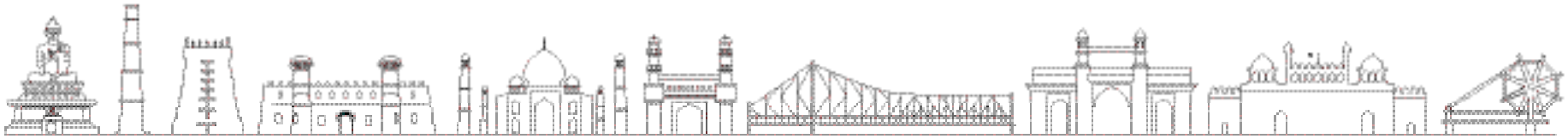

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
توت ہیکو اَسی ہو اَئی جہازس یا سمندری جہازس منز گژھتھ۔	तोत ह्यकव अॅस्य हवाई जहाज़् या समन्दरी जहाज़स मंज़ गच्छित।	वहाँ हवाई जहाज़ और पानी वाले जहाज़ दोनों से ही जा सकते हैं।	Tot hyakava aesy havai jahazs ya samandari jahazs manz gachchit.	One can go there by an aeroplane or a ship.
وُہِم دوہ (خاب/ مقصد)	**वुह्युम दोह (ख्वाब/मकसद)**	**बीसवाँ दिन (सपने/लक्ष्य)**	**Vuhyum doh (Sopun/ khaab)**	**Twentieth day (My Dream/Aim)**
پرتھ لیکھیتھ کیا چھک/چُھک یژھان کرُن۔	पॅरिथ लिखिथ क्याह सना छक/ छुक च़ यच्छान करुन?	आप पढ़-लिखकर क्या करना चाहते हैं?	Parith Likhith kyah chakh/chukh cha yachchan karun?	What do you want to do after studies?
بہ چھس/ چُھس لکھا ٔ ری بنُن یژھان۔	बअ छस/छुस लिखॉर्य बनुन यच्छान।	मैं लेखक बनना चाहती/चाहता हूँ।	Ba chhas/chus likhear banun yachchan.	I want to be a writer.
بہ چھس/چُھس جدی کاروبارس مدد کرُن یژھان۔	बअ छस/छुस जदी कॉरबारस मदद यच्छान करुन।	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करूंगी/ करूंगा।	Ba chas/chus jadi karbaras madad yachchan karun.	I want to support our family business.
یانے کمِ قسمک کاروبار؟	याने, कॅमि कसमुक कॉरबार?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	Yaney, kami kasmuk karabar?	Like what kind of business.

Kashmiri	Kashmiri Devanagri	Hindi	Kashmiri Roman	English
زمینداری / باغوانی/ دوکانداری / کپر باپار۔	ज़मीनदॉरी/ बागवॉनी/ दुकानदॉरी/ कपर-बापार।	खेती-बाड़ी/ बाग़वानी/ दुकान/ कपड़े का व्यवसाय।	zammendari/ baagvani/ dukaandari/ kapar-bapara.	Farming/ gardening/ shop/ cloth business.
بہ چھس/ چھُس سیاستس کن گژھُن یژھان۔	बअ छस/ छुस सियासतस कुन गच्छुन यच़्छान।	मैं राजनीति में जाना चाहती/ चाहता हूँ।	Ba chas/chhus siyastatas kun gachchan yachhun.	I want to join politics.
مے چھُ ماونٹ ایوریسٹ تام کھسنُک خاب۔	म्ये छु ऐवरेस्ट ताम खसनुक ख्वाब।	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	Mey chhu Mount Everst taam khasnuk khwab.	My dream is to climb the Mount Everest.
بہ چھس/ چھُس اکھ فوجی بنُن یژھان۔	बअ छस/छुस अख फौजी बनुन यच़्छान।	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	Ba chas/chuus akh fauji banun yachchan.	I want to become a soldier.

Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016

E-Mail: jdciet.ncert@nic.in

Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016

E-Mail: del.ncert@gmail.com

Phone: 91-11-26565336

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159
Email: director.ncert@nic.in